एकमत तैयार करने की प्रक्रिया

एकमत से आप क्या समझते हैं?

हम लोगों से पूछते हैं कि एकमत से वे क्या समझते हैं, उनके दिये गए कुछ जवाब इस प्रकार हैः

"और बेहतर स्थिति को प्राप्त करने के लिए एक दल, या अनेक दलों के लोगों के बीच में बातचीत के माध्यम से विभिन्न मतों से एक स्वीकृत विचार तैयार करना "

"आगे कैसे बढ़ें, इस पर सभी लोगों का एक स्वीकृत विचार"

" किसी विशेष समस्या पर लोगों के अलग-अलग मतों के लिए दल के सभी सदस्यों द्वारा एक सामान्य मत तैयार करना"

एकमत का अर्थ है किसी विचार, सुझाव या राय पर सहमत होना

अतः एकमत तैयार करने का अर्थ है :

जहाँ किसी समस्या पर लोगों के अलग-अलग विचार है वहाँ लगभग सभी लोगों द्वारा एक मत तैयार करने का मार्ग

एकमत तैयार करने की प्रक्रिया के विषय में

बहुत से लोग पिछड़े वर्गों के लोगों की स्थितियों में सुधार के लिये काफी प्रयास करते हैं। जो लोग सरकारी, गैरसरकारी संगठनों तथा विकासशील परियोजनाओं के साथ काम करते हैं वे बहुत से क्षेत्रों में पारंगत होते है।

मैं लोगों को बताना चाहती हूँ कि मैनें किस प्रकार का चुनौतियों का सामना किया

अगर हम लोगों की सुनेंगे तो कोई ऐसा समाधान निकाल सकेंगे जो लोगों के हित में हो

मत्स्यकृषक एवं कृषक अपने जीवन के अनुभवों से विशेषज्ञ बन जाते है- और उनकी स्थितियों तथा उसको सुधारने के लिये जरूरी परिवर्तनों पर उनकी सोच क्या है

अब मै अधिक आशावान हूँ

मत्स्य कृषक और कृषकों ने अपने जीवन से जुड़ी जो कहानी हमें बताया है उससे हमें उनके अनुभवों की वास्तविकता की गहरी समझ प्राप्त हो सकती है। वे नीति निर्धारकों को प्रापक की अभिलाषाओं तथा जटिल जीविकाओं की नीतियों की समझ का गठन करने में मदद कर सकतें हैं। इसके प्रापक आदिवासी तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों सहित गरीब महिला, पुरूष तथा युवक हैं। वे नीतियों पर चर्चा हेतु महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान कर सकते है, और इस तरह वे नीति परिवर्तन की सूचना देते हैं।

एकमत तैयार करने की प्रक्रिया वह मार्ग है जिसमें एक ऐसे स्थान का चयन होता है जहाँ इस प्रकार की कहानी कही जाती है जिससे गरीबों की जरूरतों के लिए नीतियों में सुधार किया जा सके।

एकमत तैयार करने की प्रक्रिया किस प्रकार कार्य करती है?

स्ट्रीम की एक परियोजना जिसे ''जलकृषि व्यवहार के द्वारा गरीबों के जीविका निर्वाहन के लिए उन्नत नीति की खोज'' के नाम से जाना जाता है, इसमें अनेक भागीदारों को योजना के विकास में शामिल किया गया जिससे आदिवासी सुदाय जलकृषि में भाग सके। ये भागीदार आदिवासी समुदाय, नीति निर्धारक तथा अन्य लोग है।

भिन्न लोगों के भिन्न मत होते है, यह मतभेद परियोजना के लक्ष्य, परिणाम एवं कार्यों तथा किसको मदद किया जाए और कैसे इन सबको लेकर हो सकते है। स्ट्रीम के माध्यम से एकमत गठन की प्रक्रिया शुरू किया गया जिसके परिणाम स्वरूप सभी लोगों की बातों को सुन पाना संभव हो सका।

इस प्रकिया में दल के सभी सदस्य एक-दूसरे को जानते हैं परन्तु प्रत्येक सदस्य स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं। पहले चरण में राज्य तथा राष्ट्रीय सरकार के नीति निर्धारकों को नीति परिवर्तन पर अपने राय या विचार को व्यक्त करने को कहा गया, इसके परिणामस्वरूप कई विचार तथा विरोधी विचार उभर कर सामने आए।

संचालक सभी की प्रतिक्रियाओं को संग्रहित करता है तथा उनके विचारों पर टिप्पणी करते हुए उसे पुनः प्रतिभागियों तक पहुँचाता है। इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों के विचारों पर टिप्पणी दी जाती है परन्तु उन्हें यह नहीं बताया जाता है कि कौन सा विचार किस व्यक्ति का है। अब बिना नाम प्रकट किए ही वे अपने विचारों से सहमत या असहमत हो सकते हैं तथा अपने विचारों में परिवर्तन के लिए समर्थ हो सकते हैं।

इस प्रक्रिया में सभी प्रतिभागियों को संचालक द्वारा दी गई संग्रहित उत्तर को मानने तथा समर्थन करने को कहा गया। वे या तो उभरते हुए नए विचारों के समक्ष अपने विचारों में परिवर्तन करे या फिर अन्य लोगों को उनके विचारों में परिवर्तन के लिए कुछ और तथ्य प्रस्तुत करके एकमत को अस्वीकार करे।

इस मामले में नीति निर्धारकों को परियोजना के प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तावित ४२ परिवर्तित सिफारिशों में से मुख्य सिफारिशों को चुनने को कहा गया, परिणाम स्वरूप नीति परिवर्तन के लिए १३ प्रमुख सिफारिश उभर कर सामने आए।

एकमत गठन केरने की प्रक्रिया में शामिल है...

... लोगों, गाँवों, एजेन्सियों तथा संस्थानों के साथ काम करते हुए सभी भागीदारों के बीच विस्वास पैदा करने का समय दिया जाए

... सहायक एवं गठनात्मक परिवेश में लोगों को अपने विचारों को व्यक्त करने का मौका दिया जाए

... जो लोग नीति निर्धारण तथा सेवा प्रदानकारी प्रक्रिया में कमज़ोर है उन्हें मौका दिया जाए ताकि जो नीति गरीबी उन्मूलन के लिए बनी है उसमें सुधार हो सके

... नुक्कड़ नाटक एवं चलचित्र के माध्यम से वक्तव्यों को समझाने के लिए समय और स्थान प्रदान करना

... ऐसे कार्यक्रम तय करे जिसमें सभी भाग ले सकें

... लोगों की बातों को सुनना, विशेषकर गरीबों की

... अपने पदानुक्रम से बाहर जाकर काम करने की स्वाधीनता एवं मौका दिया जाता है, जैसे लोगों को उनके मूल स्थान से बाहर ले जाया जाता है ताकि वे निरपेक्ष स्थान पर काम कर सके एवं एक दूसरे को समझ सके

एकमत गठन की प्रक्रिया के ७ चरण: एक परिदृश्य

जैसा कि आप जानते हैं, मैं एक बूढ़ी औरत हूँ और मैनें अपने जीवन में बहुत कुछ देखा है। परन्तु मैनें आज तक गरीबों को नीति परिवर्तन करते नहीं देखा।

१. तृणमूल स्तर में पर परामर्श

कृषक एवं मत्स्य कृषकों के साथ चर्चा

- कृषकों के समूह, ग्राम्य कोआपरेटिव की बैठक
- ग्राम, ग्राम विकास समिति, नगरपालिका स्तरीय कार्यशाला
- जिला, राज्य, प्रादेशिक स्तर की कार्यशाला

२. विषय वस्तु का संकलन

समूह द्वारा चिन्हित प्रधान एवं प्राथमिक विषय

३. प्राथमिकता के अनुसार सारणी तैयार करना

नीति निर्धारको के अनुसार प्राथमिक सारणी तैयार करने के लिए संकलित विषयों को नीति निर्धारकों के सामने प्रस्तुत करना

४. संक्षिप्तीकरण

नीति निर्धारकों के प्राथमिक सारणी का संक्षिप्तीकरण करना

५. अंतिम प्रस्तुतीकरण

नीति निर्धारकों तथा कृषकों के लिए अंतिम चर्चा हेतु संक्षिप्त प्राथमिक सारणी को प्रस्तुत करना

दादी, कृपया महाजाल की कहानी को पढ़िए, और आप देखिएगा कैसे हम नीति में परिवर्तन करते हैं।

६. नीति तैयार करने की प्रक्रिया में प्रवेश करना

चिन्हित सिफारिशों को नीति में बदलना

७. नीति में परिवर्तन

महाजाल- बड़ा मत्स्य पकड़ जाल

यह ''महाजाल'' नाटक के कुछ दृश्य है- ''महाजाल'', जो केन्द्र सरकार द्वारा नीति निर्धारकों के सामने मंचन किया गया। यह नाटक मनुष्य की वास्तविकता की कहानी है, इसमें बताया गया है कि मनुष्य जब अपनी जीविका अर्जन का प्रयास करता है तो उन्हे किस प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह कहानी पहली बार एकमत गठन की प्रक्रिया के दौरान दिखलाया गया।

यह नाटक एक ऐसा माध्यम था जिसके द्वारा गरीबों के मनोभावों को नीति निर्धारकों तक पहुँचाया गया। इस दौरान प्राप्त १३ सुझावों को नीति निर्धारकों द्वारा ग्रहण किया गया।

एकमत गठन प्रक्रिया के कुछ लाभ

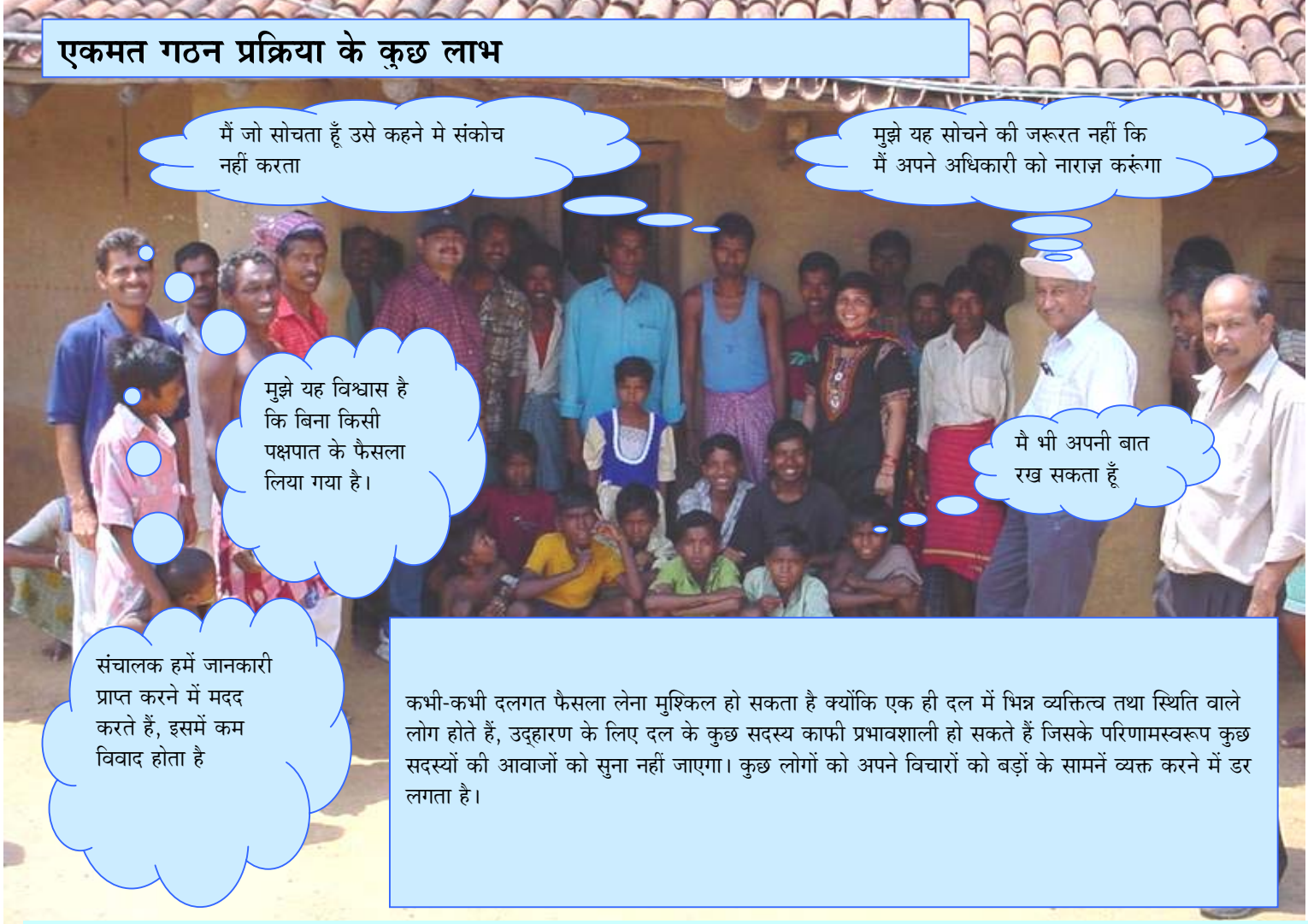

कभी-कभी दलगत फैसला लेना मुश्किल हो सकता है क्योंकि एक ही दल में भिन्न व्यक्तित्व तथा स्थिति वाले लोग होते हैं, उद्हारण के लिए दल के कुछ सदस्य काफी प्रभावशाली हो सकते हैं जिसके परिणामस्वरूप कुछ सदस्यों की आवाजों को सुना नहीं जाएगा। कुछ लोगों को अपने विचारों को बड़ों के सामनें व्यक्त करने में डर लगता है।

संपर्क के लिए महत्वपूर्ण पता

अन्य बेहतर कार्यों के लिए दिशानिर्देश

इस क्रम में और भी 'बेहतर कार्य करने का दिशानिर्देश' है, जैसेः

- सूचनाओं को प्राप्त करने का सर्वेक्षण
- स्वयं सहायक दल

आप इस प्रतिवेदन तथा अन्य 'बेहतर कार्य करने की निर्देशावली' की प्रतिलिपि अपने देश के स्ट्रीम कार्यालय, स्ट्रीम क्षेत्रीय कार्यालय या स्ट्रीम वेवसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

बेहतर कार्य करने की निर्देशावली के बारे में हम आपके विचारों को जानना चाहते हैं, आप अपने विचार अपने देश के स्ट्रीम कार्यालय के केन्द्र प्रबंधक को फोन, ई-मेल अथवा पत्र के माध्यम से भेज सकते हैं।

आपके देश के स्ट्रीम कार्यालय का पता हैः

ड्यूप्लेक्स सं.- २, टि.एस.होम्स, टकांपानी रोड
भुवनेश्वर- १८
फोनः ०६७४ २३८१८५१
फैक्सः ०६७४ २३८१८५१
ई-मेलः rubumukherjee@rediffmail.com

स्ट्रीम के क्षेत्रीय कार्यालय का पता हैः

c/o नाका
डिपार्टमेंन्ट ऑफ फिसरिज़ कमप्लेक्स
कैसेतसर्त यूनिवर्सीटी कैम्पस
फै हो लाइओ थिन रोड
बैनखेन, बैंगकाक- १०९०३
थाईलैण्ड

स्ट्रीम वेवसाइटः
www.streaminitiative.org